

प्रो. ओंकार नाथ श्रीवास्तव

Prof. Onkar Nath Srivastava



पद्म श्री

Padma Shri



राष्ट्रपति से अलंकरण प्राप्त करते हुए

Receiving the decoration from the President

प्रो. ओंकार नाथ श्रीवास्तव

बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में हाइड्रोजन एनर्जी सेंटर तथा भौतिकी विभाग में नैनो साइंस यूनिट के आजीवन प्रोफेसर, प्रो. ओंकार नाथ श्रीवास्तव, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय जगत में शोध एवं विकास तथा हाइड्रोजन ईंधन युक्त वेहिकुलर ट्रांसपोर्ट के प्रदर्शन से जुड़े अनुसंधानों के लिए सुविख्यात हैं। हाइड्रोजन–ईंधन पर किए गए आपके कार्य ने भारत के लिए जलवायु अनुकूल, स्वच्छ और देशी ईंधन, हाइड्रोजन को काम में लाने का मार्ग प्रशस्त किया है।

2. आपका जन्म 31 दिसम्बर, 1942 को हुआ था। आपने बनारस हिन्दु विश्वविद्यालय से 1959 में स्नातक और 1961 में परास्नातक तथा 1965 में पी एच डी की उपाधि प्राप्त की। आपने कॉरनेल यूनिवर्सटिी, न्यूयार्क (1965–1969) स्थित एप्लाइड फिजिक्स डिपार्टमेंट में पोस्ट–डॉक्टरैल फेलो के रूप में कार्य किया। आप 1969 में भौतिकी विभाग में एक संकाय सदस्य के रूप में नियुक्त हुए। आप भारत तथा दक्षिण एशिया के अंतर राष्ट्रीय हाइड्रोजन एनर्जी एसोसिएशन के उपाध्यक्ष हैं। आप हाइड्रोजन एनर्जी की अंतर राष्ट्रीय पत्रिका के संपादक मंडल में शामिल हैं तथा आई ए एच ई के निदेशक मंडल के सदस्य भी हैं। आप नैनो साइंस तथा प्रौद्योगिकी की ऑन लाइन पत्रिका के संपादकीय मंडल में शामिल हैं। यू एस ऊर्जा विशेषज्ञों द्वारा हाइड्रोजन ईंधन द्वारा चालित दुपहिया पर किए गए आपके अनुसंधान कार्य को दुनिया में इस तरह का पहला कार्य माना गया। प्रो.ए पी जे अब्दुल कलाम ने वर्ष 2005 में विज्ञान दिवस पर दूरदर्शन पर प्रसारित अपने राष्ट्रीय व्याख्यान में कार्बन नैनोट्यूब फिल्टरों पर किए गए आपके कार्य को भारत के पांच शीर्ष अनुसंधान कार्यों में से एक माना था।

3. आपने बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय में इंटर डिस्प्लिनरी रिसर्च सेंटर एवं नैनो साइंस तथा प्रौद्योगिकी यूनिट की स्थापना की है। आप वर्ष 2008 से अब तक एशिया पैसिफिक एकेडमी ऑव मैटीरियल्स के इंडिया चौप्टर–प्रेसीडेंट हैं। आप भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, इंटरनेशनल एकेडेमी ऑव फिजिकल साइंसेज तथा न्यूयार्क ऐकेडमी ऑव साइंस के फेलो हैं।

4. आपने दो पुस्तकें प्रकाशित की हैं और प्रतिष्ठित समीक्षित अंतर राष्ट्रीय पत्रिकाओं में लगभग 700 शोध पेपर्स प्रकाशित किए हैं। आपने 62 पी एच डी उपाधि धारक तैयार किए। आपको भारत–यू एस 21वीं शताब्दी के नॉलिज इनिशिएटिव प्रोग्राम के अंतर्गत ऊर्जा के क्षेत्र में एक्सचेंज विजिट्स (2012–2015) के लिए प्रतिष्ठित सिंह – ओबामा प्रोजेक्ट से पुरस्कृत किया गया।

5. आपको वर्ष 1988 में, भौतिक विज्ञान में शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार, 2002 में, एप्लाइड साइंसेज में एच जे भाभा पुरस्कार, वर्ष 2003 में, भौतिक विज्ञान में गोयल पुरस्कार, वर्ष 2003 में हाइड्रोजन ऊर्जा के लिए के एस राव मेमोरियल पुरस्कार, वर्ष 2009 में सुपर चालकता का एम आर एस आई दृआई सी एस सी पुरस्कार, वर्ष 2014 में, एक्सीलेंस इन एप्लाइड फिजिक्स के लिए आई पी ए (बी ए आर सी) पुरस्कार तथा इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप सोसायटी ऑव इंडिया (2014) द्वारा लाइफ टाइम अचीवमेंट पुरस्कार सहित अनगिनत पुरस्कारों से सम्मानित किया गया।

Prof. Onkar Nath Srivastava

Prof. Onkar Nath Srivastava, Life time Professor at Hydrogen Energy Centre and Nano Science Unit at Physics Department, Banaras Hindu University, is well known nationally and internationally for his researches involving R&D and demonstration of Hydrogen fueled vehicular transport. His work on Hydrogen fuel has paved the way for harnessing the climate friendly, clean and indigenous fuel hydrogen for India.

2. Born on 31st December 1942, Prof Srivastava received his Bachelor (1959), Master (1961) and Ph.D (1965), degrees from Banaras Hindu University. He worked as post-doctoral fellow at Applied Physics Department, Cornell University New York (1965-1969). He became faculty at Physics Department in 1969. He is Vice President of International Association of Hydrogen Energy for India and South Asia. He is also on the editorial board of International Journal of Hydrogen Energy, member of the board of directors of IAHE. He is on the Editorial Board of International Journal of Hydrogen Energy and on line Journal of Nanoscience and Technology. His work on Hydrogen fueled two wheeler was considered first of its type in the world by US energy experts. Prof. APJ Kalam in his nationally televised lecture on Science Day in 2005 described his work on carbon nanotube filters as one of the five top research efforts of India.

3. Prof. Srivastava has published inter disciplinary research Centre and Nanoscience and Technology Unit at Banaras Hindu University. He is India Chapter President of Asia Pacific Academy of Materials from 2008 till date. He is fellow of Indian National Science Academy, National Academy of Sciences, International Academy of Physical Sciences and New York Academy of Science.

4. Prof. Srivastava has published two books and has published about 700 research papers in Peer reviewed International journals. He has produced 62 Ph.Ds. He was awarded prestigious Singh Obama Project for Exchange Visits (2012-2015) in Energy under Indo-US 21st Century Knowledge Initiative Program.

5. Prof. Srivastava was honoured with many awards including Shanti Swaroop Bhatnagar Award in Physical Science in 1988, HJ Bhabha Award in Applied sciences in 2002, Goyel Award for Physical Science in 2003, KS Rao Memorial Award for Hydrogen Energy in 2003, MRSI-ICSC Award on Superconductivity in 2009, IPA (BARC) award for excellence in Applied Physics in 2014, life time achievement award by Electron Microscope Society of India (2014).